IJAER/ May-June 2023/Volume-12/Issue-3 ISSN: 2278-9677
International Journal of Arts & Education Research

अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन

सुशील कुमार सारस्वत [1*], डा.सुरक्षा बंसल [2]**
शोधार्थी [1*], शोध निर्देशिका [2**]
स्कूल ऑफ एजूकेशन [1,2], शोभित इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी
(डीम्ड—टू—बी यूनिवर्सिटी) मोदीपुरम (मेरठ)

शोध सार
वर्तमान अध्ययन माध्यमिक विद्यालय के अध्यापक शिक्षकों की उनके व्यक्तित्व प्रकार के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता की जांच करने का एक प्रयास था। शालू पुरी एवं एस.सी.गाखर द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत शिक्षक प्रभावशीलता मापन व अजीज एवं डॉ. रेखा गुप्ता द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत अंतर्मुखी व बाह्यमुखी मापन का उपयोग करके मेरठ जिले के 60 अध्यापक शिक्षकों के न्यादर्श से यादृच्छिक रूप से आंकड़े एकत्र किए गए थे। परिणामों से पता चला अंतर्मुखी व बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों में कोई भिन्नता नहीं पायी गयी साथ ही अंतर्मुखी एवं बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई भिन्नता नहीं पायी गयी।

कुंजी शब्द— अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षक, शिक्षण प्रभावशीलता

प्रस्तावना—

अध्यापक शिक्षकों को केवल उनकी योग्यताओं के लिए नहीं, बल्कि उनके व्यक्तित्व और चरित्र के लिए चुना जाना चाहिए, क्योंकि हम जो पढाते हैं उसकी तुलना में हम जो हैं उससे अधिक पढाते हैं। देश की प्रगति शिक्षक की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। एक पुरानी मान्यता के अनुसार बच्चे को दूसरा जन्म उसके शिक्षक के हाथों ही मिलता है। बच्चे कच्चे घड़े की तरह होते हैं और शिक्षक उन्हें किसी भी आकार में ढाल सकते हैं। शिक्षक के बिना स्कूल आत्मा के बिना शरीर के समान है। इसलिए किसी देश की महानता ऊंची इमारतों और विशाल परियोजनाओं पर निर्भर नहीं करती बल्कि यह शिक्षकों पर निर्भर करती है। एक शिक्षक को उसके महान मिशन के कारण पूरे मानव इतिहास में पूजा और सम्मान दिया गया है। यह ठीक ही कहा गया है कि अच्छी शिक्षा के लिए अच्छे शिक्षक की आवश्यकता होती है।

अध्यापक शिक्षक प्रभावशीलता की अवधारणा प्रकृति में बहुआयामी है, हर किसी के पास एक अच्छे शिक्षक का पूर्वकल्पित विचार होता है। एक विचारधारा शिक्षण की अंतर्निहित क्षमता में विश्वास करती है जबकि अन्य का मानना है कि अच्छा शिक्षण औपचारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। शिक्षण में शिक्षक की प्रभावशीलता शिक्षकों के गतिशील व्यक्तित्व का परिणाम है।

शिक्षक प्रभावशीलता का अर्थ

शिक्षकों की ओर से पूर्णता या दक्षता और उत्पादकता का इष्टतम स्तर है। एक प्रभावी शिक्षक को ऐसे व्यक्ति के रूप में समझा जा सकता है जो छात्रों के बुनियादी कौशल, समझ, उचित कार्य आदतें, वांछनीय दृ ष्टिकोण, मूल्य निर्णय और पर्याप्त व्यक्तिगत समायोजन के विकास में मदद करता है। शिक्षक की प्रभावशीलता शिक्षकों के व्यक्तित्व पर भी निर्भर करती है। एक प्रभावी शिक्षक में आत्मविश्वास, छात्रों को प्रेरित करने का कौशल, अच्छे शिक्षक द्वारा सिखाए गए रिश्ते, सह—पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में रुचि, अच्छा चरित्र आदि

होना चाहिए। व्यक्तित्व शिक्षक प्रभावशीलता के सबसे महत्वपूर्ण घटकों में से एक है। व्यक्तित्व दो प्रकार का होता है एक बहिर्मुखी और दूसरा अंतर्मुखी। बहिर्मुखता—अंतर्मुखता का व्यक्तित्व शिक्षण के क्षेत्र में न्यूनाधिक मात्रा में वितरित है। यह शिक्षकों के दृष्टिकोण, योग्यता और क्षमताओं को प्रभावित करता है। कैटेल के दूसरे शब्दों में सुझाव दिया गया कि बहिर्मुखी मिलनसार, आशावादी, भरोसेमंद, अनुकूलनीय, बातूनी, समूह पर निर्भर होता है। अंतर्मुखी व्यक्ति शर्मीला होता है, लोगों से बहुत प्यार नहीं करता, व्यक्तिवादी और थोडा सही और संदिग्ध होता है। व्यक्तित्व एक समावेशी शब्द है जो समग्र रूप से व्यक्ति के विकास और व्यवहार पर जोर देता है, इसे कार्य में संपूर्ण व्यक्ति या व्यक्ति की जीवनशैली के रूप में सोचा जा सकता है। संतुलित व्यक्तित्व अनेक उद्देश्यों का समाधान करता है। यह पारस्परिक संपर्क की समस्याओं का पूर्वानुमान लगाने और उनसे निपटने में मदद करता है और पर्यावरण के साथ समायोजन और आत्मसात करने की प्रक्रिया को भी सुविधाजनक बनाता है।

सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा

सहजल प्रिया (2021) ने **'ए स्टडी आफ टीचर इफेक्टिवनेस ऑफ सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टू देयर जेंडर, लोकेशन एण्ड टाइप ऑफ स्कूल'** विषय पर शिक्षा विभाग, सी०टी० विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब में अपना शोध प्रस्तुत किया। अध्ययन में शिक्षक प्रभावशीलता मापनी डा० शालू पुरी और प्रोफेसर एस.सी. गाखर (2010) द्वारा निर्मित मानकीकृत मापनी का प्रयोग किया तथा न्यादर्श हेतु पंजाब से लुधियाना जिले के माध्यमिक विद्यालय के 130 शिक्षकों को चुना। डाटा विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमाप विचलन और 'टी' परीक्षण का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष में है कि महिला एवं पुरूष शिक्षकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया दोनों समान स्तर पर हैं। परन्तु (ग्रामीण एवं शहरी) शिक्षकों के बीच दोनो स्तरों पर शिक्षण प्रभावशीलता में अन्तर था।

इश्फाक अहमद भट् (2020) ने **'ए स्टडी ऑफ टीचर इफेक्टिवनैस विद स्पेशल रिफरेन्स टू सेकेण्डरी स्कूल टीचर्स ऑफ डिस्ट्रिक बारामूला ऑफ जम्मू एण्ड कश्मीर'** विषय पर शिक्षा विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडू में अपना शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया। शोधार्थी ने 200 शिक्षकों (120 ग्रामीण और 80 शहरी) को न्यादर्श हेतु चुना। अध्ययन में शिक्षक प्रभावशीलता हेतु कुलसुम द्वारा निर्मित मानकीकृत मापनी का प्रयोग किया। परिणाम में पाया गया कि शहरी स्कूल के शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता ग्रामीण स्कूल के शिक्षकों की तुलना में बहुत अधिक पाई गई तथा साथ ही स्नातकोत्तर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक स्नातक शिक्षकों की तुलना में अधिक प्रभावी पाए गए। यह किसी विशेष विषय में अधिक ज्ञान एवं विशेष विशेषज्ञता के कारण हो सकता है।

शर्मा बबीता (2020) ने अपना शोध कार्य **'उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के मूल्यों और प्रभावशीलता का अध्ययन'** विषय पर पीएच—डी उपाधि हेतु शिक्षा विभाग, टंटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर, राजस्थान से पूर्ण किया। प्रस्तुत शोध में राजकीय एवं गैर राजकीय 600 शिक्षकों को न्यादर्श में शामिल किया गया। आंकड़ों के एकत्रीकरण हेतु शोधार्थी ने अध्यापक मूल्य अनुसूची डा. शमीम करीम (बांगलादेश) तथा शिक्षक प्रभावशीलता मापनी शालू पुरी और एम.सी. गरवर द्वारा मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, टी परीक्षणों आदि को अपनाया। निष्कर्षों में पाया गया कि उच्च माध्यमिक स्तर के राजकीय व गैर राजकीय ग्रामीण एवं शहरी तथा पुरूष एवं महिला शिक्षकों के मूल्यों व प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

वर्मा, कामिनी (2020) ने **'माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शिक्षण प्रभावशीलता पर उनकी सांवेगिक बुद्धि एवं शिक्षण अभिक्षमता के प्रभाव का अध्ययन'** विषय पर कोटा विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान से अपना शोध कार्य पूर्ण किया। प्रस्तुत अध्ययन में शोधार्थी ने 480 शिक्षकों को यादृच्छिक विधि द्वारा न्यादर्श के लिये चुना। अध्ययन में प्रदत्तों के संकलन हेतु शिक्षण प्रभावशीलता हेतु स्व निर्मित मापनी, शिक्षण अभिक्षमता मापनी, श्रीमति करीम एवं प्रो० अशोक कुमार दीक्षित द्वारा निर्मित सांवेगिक बुद्धि एस.के. मंगल द्वारा निर्मित मानकीकृत मापनी का प्रयोग किया। निष्कर्षों से ज्ञात होता है कि ग्रामीण एवं शहरी पुरूष एवं महिला तथा विज्ञान एवं कला संकाय के माध्यमिक स्तर के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों में सार्थक अन्तर पाया गया।

समस्या कथन

अन्तर्मुखी एवं बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन

शोध में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण

अन्तर्मुखी

अंतर्मुखी वह व्यक्ति होता है जो अकेले समय बिताने से अपनी ऊर्जा प्राप्त करता है, अपने आंतरिक विचारों और भावनाओं पर ध्यान केंद्रित करता है। वे बहिर्मुखी या सामाजिक लोगों की तुलना में अधिक आरक्षित और चिंतनशील होते हैं। अंतर्मुखी लोगों को अक्सर उत्तेजक सामाजिक स्थितियों में रहने के बाद रिचार्ज करने के लिए समय की आवश्यकता होती है।

बहिर्मुखी

बहिर्मुखी व्यक्तित्व ऐसे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति की रूचि बाह्य जगत में होती है। वे अपने विचारों और भावनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करते है। वे संसार के भौतिक और सामाजिक लक्ष्यों में विशेष रूचि रखते है।

अध्यापक शिक्षक

शिक्षा देने वाले को शिक्षक कहते हैं। शिक्षिका शब्द 'शिक्षक' का स्त्रीलिंग रूप है। यह एकवचन अथवा बहुवचन दोनों तरह से प्रयुक्त किया जा सकता है। शिष्य के मन में सीखने की इच्छा को जो जागृत कर पाते हैं वे ही शिक्षक कहलाते हैं।

शिक्षण प्रभावशीलता

शिक्षण प्रभावशीलता का अर्थ शिक्षक की अपने शिक्षण कौशल, व्यक्तित्व गुणों, अकादमिक एवं व्यावसायिक ज्ञान एवं उसके दृष्टिकोण आदि से है। शिक्षण की प्रभावशीलता उसकी उपलब्धियों पर निर्भर करती है। शिक्षकों की प्रभावशीतला का अध्ययन प्रत्येक समय आवश्यकता आधारित व सार्थक होता है क्योंकि प्रभावी शिक्षण ही राष्ट्र के आयामों व मांगों के विकास की कुंजी होता है। शिक्षकों का उत्साह, स्फूर्ति, कक्षा प्रबंधन की तैयारी आदि शिक्षण को प्रभावी बनाते हैं। एक प्रभावी शिक्षक वह है जोकि छात्रों के व्यवहार को सरलता पूर्वक समझ सके जिससे वह छात्रों के अधिगम में सहयोग कर सकें।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

- अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता का अध्ययन करना।
- अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

- बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पना

- अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रस्तुत शोध में जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मेरठ जिले के अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अंतर्मुखी और बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं को ही चयनित किया गया। शोध में अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के अंतर्मुखी और बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

प्रस्तुत शोध में अध्ययन विधि

वर्तमान शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा अंतर्मुखी और बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित शोध उपकरणों का प्रयोग किया गया है—

- शालू पुरी एवं एस.सी.गाखर द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत शिक्षक प्रभावशीलता मापनी
- अजीज एवं डॉ. रेखा गुप्ता द्वारा निर्मित एवं मानकीकृत अंतर्मुखी व बहिर्मुखी मापनी का उपयोग का प्रयोग किया गया।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत शोध में मध्यमान, प्रमाणिक विचलन एवं टी—परीक्षण की गणना के आधार पर प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

विश्लेषण एवं विवेचन

निर्धारित किये उदद्ेश्यों एवं परिकल्पनाओं के अनसुार परीक्षण में प्राप्त आँकड़ों का क्रमवार विश्लेषण निम्न प्रकार है। आँकड़ों का विश्लेषण उदद्ेश्यों के अनुकूल प्रश्नावली के अनुसार किया गया है।

परिकल्पना

- अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 1

अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता की तुलना

चर	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
शिक्षक प्रभावशीलता	अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक	26	13.29	2.46	**0.253**	**असार्थक**
	बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षक	34	13.11	2.92		

तालिका 1 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता से सम्बन्धित आंकड़ों में का मध्यमान 13.29 तथा मानक विचलन 2.46 प्राप्त हुआ, तथा बहिर्मुखी अध्यापक शिक्षकों से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 13.11 तथा मानक विचलन 2.92 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर अंतर्मुखी व बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षकों का मान आंशिक रूप में उच्च पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.253** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 58 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से अधिक है। **अतः शून्य परिकल्पना** 'अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है' **स्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में समानता पायी गयी है।

परिकल्पना

- अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका—2

अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता की तुलना

चर	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
शिक्षक प्रभावशीलता	अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक	12	15.33	2.79	**0.405**	**असार्थक**
	अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षिका	14	14.82	3.51		

तालिका 2 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का मध्यमान 15.33 तथा मानक विचलन 2.79 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का

मध्यमान 14.82 तथा मानक विचलन 3.51 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर अध्यापक शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता का मान निम्न पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.405** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 24 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से कम है। **अतः शून्य परिकल्पना** 'अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है' **स्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अंतर्मुखी अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता समान पायी गयी।

परिकल्पना

- बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका— 3

बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता की तुलना

चर	वर्ग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
शिक्षक प्रभावशीलता	बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षक	18	11.24	2.11	**0.197**	**असार्थक**
	बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षिका	16	11.39	2.32		

तालिका 3 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता का मध्यमान 11.24 तथा मानक विचलन 2.11 प्राप्त हुआ, तथा अध्यापक शिक्षिकाओं से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 11.39 तथा मानक विचलन 2.32 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर अध्यापक शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता का मान निम्न पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.197** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 32 पर सारणी में दिए गए टी— मूल्य के मान 0.05 पर 1.98 से कम है। **अतः शून्य परिकल्पना** 'बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है' **स्वीकृत की जाती है।** विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि बर्हिमुखी अध्यापक शिक्षक एवं अध्यापक शिक्षिकाओं की शिक्षण प्रभावशीलता समान पायी गयी।

निष्कर्ष

- अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में समानता पायी गयी। आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अंतर्मुखी और बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता समान होती है।

- अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों एवं शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में समानता पायी गयी। आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि अंतर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता समान होती है।
- बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों एवं शिक्षकों की शिक्षक प्रभावशीलता में समानता पायी गयी। आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि बहिर्मुखी व्यक्तित्व वाले अध्यापक शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की शिक्षक प्रभावशीलता समान होती है।

शैक्षिक निहितार्थ

किसी भी राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में शिक्षक का सर्वाधिक महत्व है और देश की प्रगति शिक्षक की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। यह शिक्षक ही है जिसे विद्यार्थियों की आदतों, रुचियों, दृष्टिकोणों, भावनाओं, व्यवहार और चरित्र को आकार देने और ढालने का विशेषाधिकार प्राप्त है। अनुभव वाला प्रत्येक शिक्षक और शिक्षाविद् जानता है कि सबसे अच्छा पाठ्यचर्या और सबसे उत्तम पाठ्यक्रम भी तब तक मृत ही रहता है जब तक कि उसे शिक्षण की सही पद्धति और सही प्रकार के शिक्षकों द्वारा जीवन में नहीं लाया जाता। शिक्षक छात्रों के व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्रंथ सूची

- अजीज, पी.एफ. गुप्ता, आर. (1971) 'अंतर्मुखता और बहिर्मुखता सूची के उपयोग के लिए एक मैनुअल' राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम, आगरा।
- बाजवा, एच.एस. समिंदर (2006) 'बुद्धि और व्यक्तित्व के संबंध में शिक्षक की प्रभावशीलता का अध्ययन' शैक्षिक रुझान, 1(1), 8—12
- जे.एस. कौर (2009) 'उनके मूल्य पैटर्न के संबंध में शिक्षक प्रभावशीलता' एडुट्रैक्स, 9(3), 26—29
- ग्रेवाल, एस.एस. (1976) 'उच्च माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों की प्रभावशीलता का बौद्धिक और व्यक्तित्व' अप्रकाशित पीएच.डी. निबंध, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ।
- गुप्ता, बी.डी. (1988) 'विज्ञान और कला में प्रभावी शिक्षक की बुद्धिमत्ता, समायोजन और व्यक्तित्व की आवश्यकताएँ' पीएचडी थीसिस, आगरा यूनिवर्सिटी इन फिफ्थ सर्वे ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 11, 883
- कौर, बी. (1993) 'शिमला के माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच रचनात्मक सोच क्षमता, बुद्धिमत्ता, भावनात्मक परिपक्वता और शिक्षक प्रभावशीलता के संबंध में आत्म स्वीकृति' जर्नल ऑफ ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 5(1), 23
- कौर, एस.पी. (1973) 'एक शिक्षक प्रभावशीलता अध्ययन' अप्रकाशित एम.एड. निबंध, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ।